SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25
Class Notes/Term 2

SUBJECT: HINDI

CLASS -6

Prepared By: DEEPIKA MEHRA **L-(व्याकरण -पाठ -२० विराम -चिह्न)**

Given date - **Prepared date -**

विराम- चिह्न - विराम शब्द का अर्थ है – रुकना या ठहरना। वाक्यों के बीच-बीच में थोड़ी देर के लिए रुकने का संकेत करने वाले चिह्नों को विराम-चिह्न कहते हैं।

हिंदी में प्रयोग किए जाने वाले प्रमुख विराम-चिह्न निम्नलिखित हैं-

१) पूर्ण विराम (।) – पूर्ण विराम वाक्य के अंत में लगाया जाता है। जब वाक्य पूरा होता है, तब इसका प्रयोग करते हैं।
जैसे-- पक्षी दाना चुग रहे हैं।

२) **अल्प विराम (,)** – अल्प विराम का अर्थ है-थोड़ा विराम। जब पूर्ण विराम से कम समय के लिए वाक्य के बीच में रुकना पड़े, तो अल्पविराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है|
जैसे- भारत में गेहूँ, चना, बाजरा, मक्का, आदि बहुत सी फ़सलें उगाई जाती हैं।

३) **अर्ध विराम (;)** – वाक्य लिखते या बोलते समय, एक बड़े वाक्य में एक से अधिक छोटे वाक्यों को जोड़ने के लिए अर्धविराम का प्रयोग किया जाता है|
जैसे—निरंतर प्रयत्नशील रहो; रुकना कायरता है।

४) **प्रश्नवाचक चिह्न (?)** – बातचीत के दौरान जब किसी से कोई बात पूछी जाती है अथवा कोई प्रश्न पूछा जाता है, तब वाक्य के अंत में प्रश्नसूचक चिह्न का प्रयोग किया जाता है|
जैसे- आपका क्या नाम है?

५)विस्मयाधिबोधक चिह्न (!) – विस्मयः आश्चर्य, शोक, हर्ष आदि भावों को प्रकट करने वाले शब्दों को विस्मयादि बोधक चिह्न कहते हैं।
जैसे-वाह! हम यह मैच भी जीत गए।

६) योजक या विभाजक चिह्न (–) – दो शब्दों को जोड़ने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है; जैसे-छोटा-बड़ा, रात-दिन, धीरे-धीरे।
जैसे--जीवन में सुख-दुख तो चलता ही रहता है।

७) **निर्देशक चिह्न (_)** – कोई भी निर्देश अथवा सूचना देने वाले वाक्य के बाद निर्देशक-चिह्न का प्रयोग किया जाता है|
जैसे-नेहा ने कहा-मैं कल जाऊँगी।

८) **उद्धरण चिह्न ("....") (' ')** – उद्धरण चिह्न दो प्रकार के होते हैं- एकहरे (' ') तथा दोहरे (" ") एकहरे उद्धरण चिह्न का प्रयोग किसी विशेष व्यक्ति, ग्रंथ, उपनाम आदि को प्रकट करने के लिए किया जाता है|
जैसे- महात्मा गाँधी ने कहा, "सत्य ही ईश्वर है।"
रामधारी सिंह 'दिनकर' महान कवि थे।